६ मेरी माँ

कहानी का सारांश

रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म उस समय हुआ जब भारत पर अंग्रेजों का आधिपत्य था। छोटी आयु से ही वे अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम में सम्मिलित हो गए। उनके शौर्य और देशभक्ति की अनेक कहानियाँ हैं। भगत सिंह भी उनकी प्रशंसा करते थे और कहते थे कि यदि बिस्मिल किसी अन्य देश या समय में जन्मे होते तो वे सेनाध्यक्ष बनते।

यह कहानी रामप्रसाद बिस्मिल द्वारा अपनी माता के प्रति अगाध प्रेम और कृतज्ञता का भाव व्यक्त करती है। रामप्रसाद बिस्मिल ने अपनी माता को एक देवी के समान बताया है जिन्होंने न केवल उनका पालन-पोषण किया बल्कि उन्हें एक अच्छे इंसान और देशभक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। माता ने अपने पुत्र को हमेशा सत्य और धर्म का मार्ग दिखाया और उन्हें देश सेवा के लिए प्रेरित किया। लेखक ने अपनी माता के त्याग, समर्पण और प्रेम को शब्दों में बयां करने की कोशिश की है।

शब्दार्थ:

होनहार	:	अच्छे लक्षणों वाला	**वर्ण**	:	ज्ञान
गज़ब	:	कमाल	**देवनागरी**	:	भारत की प्रसिद्ध लिपि
आधिपत्य	:	प्रभुत्व, अधिकार	**वार्तालाप**	:	बातचीत
आत्मकथा	:	अपने जीवन की कथा	**निर्वाह**	:	गुजारा
प्रकाशित	:	छापा गया हो	**प्राणदंड**	:	मृत्युदंड
अंश	:	भाग	**जन्मदात्री**	:	जन्म देने वाली
अनुरोध	:	याचना करना	**उऋण**	:	ऋण से मुक्त
सदव्यवहार	:	सदाचार, अच्छा व्यवहार	**अवर्णनीय**	:	जिसका वर्णन न किया जा सके
संकल्प	:	निश्चय, प्रतिज्ञा	**संलग्न**	:	साथ जुड़ा हुआ, लगा हुआ
हस्ताक्षर	:	दस्तखत	**ताड़ना**	:	दंड देना
खारिज	:	अस्वीकृत	**धृष्टतापूर्ण**	:	उद्दंडता
आचरण	:	व्यवहार	**परिणाम**	:	नतीजा
नितांत	:	एकदम, बिल्कुल	**सांत्वना**	:	ढाढ़स बँधाना, तसल्ली देना
प्रबंध	:	व्यवस्था	**उज्ज्वल**	:	दीप्तिमय, चमकीला
अक्षर	:	बोध	**विचलित**	:	अस्थिर

प्रश्न अभ्याश

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **'किंतु यह इच्छा पूर्ण होती नहीं दिखाई देती।'**
   बिस्मिल को अपनी किस इच्छा के पूर्ण न होने की आशंका थी?

- भारत माता के साथ रहने की
- अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने की ★
- अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने की
- भोग विलास तथा ऐश्वर्य भोगने की

2. **रामप्रसाद बिस्मिल की माँ का सबसे बड़ा आदेश क्या था?**

- देश की सेवा करें
- कभी किसी से छल न करना
- कभी किसी के प्राण न लेना ★
- सदा सच बोलना

(ख) अब अपने मित्रों के साथ तर्कपूर्ण चर्चा कीजिए कि आपने ये ही उत्तर क्यों चुने?

उत्तर:-

1. पाठ में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि बिस्मिल अपनी माँ की सेवा करना चाहते थे, लेकिन उन्हें संदेह था कि वे ऐसा कर पाएंगे या नहीं। उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी यह इच्छा शायद पूरी न हो पाए।
2. पाठ में बिस्मिल की माँ ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उन्हें किसी की हत्या नहीं करनी चाहिए, चाहे वह शत्रु ही क्यों न हो। यह उनके सबसे महत्वपूर्ण आदेशों में से एक था।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें पढ़कर समझिए और इन पर विचार कीजिए । आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? कक्षा में अपने विचार साझा कीजिए और लिखिए।

(क) "यदि मुझे ऐसी माता न मिलतीं, तो मैं भी अति साधारण मनुष्यों की भाँति संसार-चक्र में फँसकर जीवन निर्वाह करता।"

उत्तर: इस पंक्ति से स्पष्ट होता है कि लेखक अपनी माता के प्रति अत्यंत आभारी हैं। वे मानते हैं कि उनकी माता ने उन्हें एक साधारण व्यक्ति से एक क्रांतिकारी और देशभक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी माता ने उन्हें शिक्षा दी, प्रेरित किया और जीवन के सही मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित किया। अगर उन्हें ऐसी माता न मिलती तो शायद वे जीवन भर सामान्य जीवन जीते रहते और देश सेवा जैसे महान कार्य के लिए प्रेरित नहीं होते।

(ख) "उनके इस आदेश की पूर्ति करने के लिए मुझे मज़बूरन दो-एक बार अपनी प्रतिज्ञा भंग भी करनी पड़ी थी।"

उत्तर: इस पंक्ति से पता चलता है कि लेखक अपनी माता के आदेशों का कितना पालन करते थे। उनकी माता जी ने सबसे बड़ा आदेश बिस्मिल को दिया था कि कभी किसी की प्राणहानि न हो। माता ने शिक्षा दी थी कि शत्रु को भी प्राणदंड न मिले।

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थ या संदर्भों से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट, पुस्तकालय या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

शब्द	अर्थ या संदर्भ	उत्तर:
1. देवनागरी	1. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की।	1. 4
2. आर्यसमाज	2. इटली के गुप्त राष्ट्रवादी दल का सेनापति इटली का मसीहा था जिसने लोगों को एक सूत्र में बाँधा ।	2. 3
3. मेजिनी	3. महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित एक संस्था ।	3. 2
4. गोबिंद सिंह	4. भारत की एक भाषा लिपि जिसमें हिंदी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएँ लिखी जाती हैं।	4. 1

सोच-विचार के लिए

पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

1. **बिस्मिल की माता जी जब ब्याह कर आईं तो उनकी 'आयु काफ़ी कम थी।**

   (क) फिर भी उन्होंने स्वयं को अपने परिवार के अनुकूल कैसे ढाला?

   उत्तर: बिस्मिल की माँ ग्यारह वर्ष की उम्र में विवाहित होकर अपनी ससुराल आई थी। उन्होंने लगन से जल्द ही गृहकार्य सीख लिया और परिवार के काम-काज को कुशलतापूर्वक करने लगीं। बिस्मिल के जन्म के पाँच या सात वर्ष बाद उन्होंने हिंदी पढ़ना सीख लिया था। आगे चलकर बिस्मिल और उनकी बहनों को भी पढ़ाना शुरू कर दिया था।

   (ख) उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति के बल पर स्वयं को कैसे शिक्षित किया?

   उत्तर: बिस्मिल की माता जी जब शाहजहाँपुर आई थीं तब वे अशिक्षित थीं। लेकिन उन्होंने पढ़ने की तीव्र इच्छाशक्ति दिखाई। उन्होंने मुहल्ले की शिक्षित महिलाओं से हिंदी पढ़ना शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने देवनागरी लिपि में पढ़ना सीख लिया और घर के सभी कामकाज के साथ-साथ पढ़ाई भी करती रहीं।.

2. **बिस्मिल को साहसी बनाने में उनकी माता जी ने कैसे सहयोग दिया?**

   उत्तर: बिस्मिल के व्यक्तित्व निर्माण में उनकी माता ने बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जीवन के हर कदम पर अपने सुपुत्र बिस्मिल को प्रोत्साहित किया। छोटी उम्र में ही अपनी माता जी से प्रेरणा लेकर बिस्मिल साहस, वीरता और देश सेवा के पथ पर चले । जन्मभूमि पर न्योछावर होने वाले पुत्र पर उन्हें गर्व था। संकटों में भी उन्होंने अपने पुत्र को अधीर नहीं होने दिया ।

3. **आज से कई दशक पहले बिस्मिल की माँ शिक्षा के महत्व को समझती थीं, बताइए कैसे?**
   उत्तर: आज से कई दशक पहले जब महिलाओं के लिए शिक्षा लेना आसान नहीं था, तब भी बिस्मिल की माता जी शिक्षा के महत्व को समझती थीं। उन्होंने खुद पढ़ना सीखा और अपनी बेटियों को भी शिक्षित किया। उन्होंने बिस्मिल को भी शिक्षा का महत्व समझाया और उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

4. **हम कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल की माँ स्वतंत्र और उदार विचारों वाली थीं?**
   उत्तर: हाँ, रामप्रसाद बिस्मिल जी की माँ स्वतंत्र और उदार विचारों वाली सशक्त महिला थीं। बिस्मिल को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती थीं। शिक्षादि के अतिरिक्त वे उन्हें देशसेवा हेतु विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने में उत्साहित करतीं । बिस्मिल की बहनों को भी छोटी आयु में उनकी माँ ही शिक्षा दिया करती थीं। अपनी माँ के स्वतंत्र और उदार विचारों के कारण वे स्वाधीनता संग्राम की क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग ले सके और माँ भारती को गुलामी की जंजीरों से मुक्ति दिलाने के लिए संकल्पवान बने ।

आत्मकथा की रचना

यह पाठ रामप्रसाद 'बिस्मिल' की आत्मकथा का एक अंश है। आत्मकथा यानी अपनी कथा। दुनिया में अनेक लोग अपनी आत्मकथा लिखते हैं, कभी अपने लिए, तो कभी दूसरों के पढ़ने के लिए।

(क) इस पाठ को एक बार फिर से पढ़िए और अपने-अपने समूह में मिलकर इस पाठ की ऐसी पंक्तियों की सूची बनाइए जिनसे पता लगे कि लेखक अपने बारे में कह रहा है।
उत्तर: निम्नलिखित पंक्तियों से पता लगेगा कि लेखक अपने बारे में कह रहा है।

- **जीवन के अनुभव**: "लखनऊ कांग्रेस में जाने के लिए मेरी बड़ी इच्छा थी।", "मैं बड़े उत्साह के साथ सेवा-समिति में सहयोग देता था।", "मैं पिताजी के हस्ताक्षर वकालतनामे पर कर दूँ। मैंने तुरंत उत्तर दिया कि यह तो धर्म विरुद्ध होगा...", "जब से मैंने आर्यसमाज में प्रवेश किया, माताजी खूब वार्तालाप होता।"

- **भावनाएं और विचार**: "वास्तव में, मेरी माताजी देवी हैं।", "मुझे जीवन की प्रत्येक घटना का स्मरण है कि तुमने जिस प्रकार अपनी देववाणी का उपदेश करके मेरा सुधार किया है।", "जन्मदात्री जननी! इस जीवन में तो तुम्हारा ऋण उतारने का प्रयत्न करने का भी अवसर न मिला।"

- **लक्ष्य और उद्देश्य**: "तुम्हारी दया से ही मैं देश-सेवा में संलग्न हो सका।", "मैं परमात्मा का स्मरण करता हुआ शरीर त्याग करूँ ।"

(ख) अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।
उत्तर: स्वयं कीजिए।

शब्द-प्रयोग तरह-तरह के

(क) "माता जी उनसे अक्षर-बोध करतीं।" इस वाक्य में अक्षर-बोध का अर्थ है- अक्षर का बोध या ज्ञान। एक अन्य वाक्य देखिए– "जो कुछ समय मिल जाता, उसमें पढ़ना-लिखना करतीं।" इस वाक्य में पढ़ना-लिखना अर्थात पढ़ना और लिखना।

हम लेखन में शब्दों को मिलाकर छोटा बना लेते हैं जिससे समय, स्याही, कागज़ आदि की बचत होती है। संक्षेपीकरण मानव का स्वभाव भी हैं। इस पाठ से ऐसे शब्द खोजकर सूची बनाइए।

उत्तर:

- डाँट-फटकार
- काम-काज
- अक्षर-बोध
- घर-काज
- सखी-सहली
- पढ़ना-लिखना
- देश सेवा
- पालन-पोषण

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) रामप्रसाद 'बिस्मिल' के मित्रों के नाम खोजिए और स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भागीदारी पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

उत्तर: बिस्मिल के कुछ प्रमुख साथियों के नाम:

- **अशफाक उल्ला खान**: बिस्मिल के सबसे करीबी साथियों में से एक थे। वे दोनों काकोरी षड्यंत्र में शामिल थे।
- **चंद्रशेखर आजाद**: बिस्मिट के युवा साथी थे और उन्होंने भारत की आजादी के लिए अनेक बलिदान दिए।
- **शचींद्रनाथ सान्याल**: हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन (एचआरए) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और बिस्मिल के गुरु थे।
- **राजेंद्र लाहिड़ी**: एचआरए के सदस्य थे और काकोरी षड्यंत्र में शामिल थे।

स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भागीदारी:

बिस्मिल और उनके साथियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। इनमें से कुछ प्रमुख भूमिकाएं निम्नलिखित हैं:

- **हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन (एचआरए) का गठन**: बिस्मिल और उनके साथियों ने एचआरए का गठन किया जिसका उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराना था।
- **काकोरी षड्यंत्र**: एचआरए के सदस्यों ने काकोरी में ट्रेन लूटने का षड्यंत्र रचा था ताकि क्रांति के लिए धन जुटाया जा सके। यह एक बहुत ही साहसी और महत्वाकांक्षी प्रयास था।
- **सशस्त्र क्रांति**: बिस्मिल और उनके साथी सशस्त्र क्रांति में विश्वास करते थे और उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ कई सशस्त्र संघर्ष किए।

- **देशभक्ति गीत**: बिस्मिल और उनके साथियों ने कई देशभक्ति गीत लिखे और गाए जो युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाते थे।

(ख) नीचे लिखे बिंदुओं को आधार बनाते हुए अपनी माँ या अपने अभिभावक से बातचीत कीजिए और उनके बारे में गहराई से जानिए कि उनका प्रिय रंग, भोज्य पदार्थ, गीत, बचपन की यादें, प्रिय स्थान आदि कौन-कौन से थे?

उदाहरण के लिए

आपका जन्म कहाँ हुआ था?

आपकी प्रिय पुस्तक का नाम क्या है?

उत्तर: स्वयं कीजिए।

पुस्तकालय या इंटरनेट से

आप पुस्तकालय से रामप्रसाद 'बिस्मिल' की आत्मकथा खोजकर पढ़िए।

देशभक्तों से संबंधित अन्य पुस्तकें, जैसे– उनके पत्र, आत्मकथा, जीवनी आदि पढ़िए और अपने मित्रों से साझा कीजिए।

उत्तर: स्वयं कीजिए।

शब्दों की बात

आप अपनी माँ को क्या कहकर संबोधित करते हैं? अन्य भाषाओं में माँ के लिए प्रयुक्त संबोधन और माँ के लिए शब्द ढूँढ़िए।

क्या उनमें कुछ समानता दिखती है? हाँ, तो क्या?

उत्तर: हिंदी: माँ, मां अंग्रेजी: Mother, Mom संस्कृत: माता, जननी

आज की पहेली

यहाँ दी गई वर्ग पहेली में पाठ से बारह विशेषण दिए गए हैं। उन्हें छाँटकर पाठ में रेखांकित कीजिए।

उत्तर:

1. मंगलमयी
2. प्रत्येक
3. ग्यारह
4. साधारण
5. छोटी
6. खूब
7. बड़ा
8. महान
9. स्वाधीन
10. धार्मिक
11. दुखभरी
12. मनोहर